तुरंत जारी करने हेतु

(प्रेस विज्ञप्ति सं. 19/2026)

प्रेस के लिए सूचना नोट

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण

नई दिल्ली, 10 फरवरी 2026

(www.trai.gov.in)

31 दिसंबर 2025 को समाप्त मासिक अवधि के अनुसार दूरसंचार उपभोक्ता डाटा से संबंधित मुख्य झलकियां

विवरण	वायरलेस*	वायरलाइन	कुल (वायरलेस+वायरलाइन)
ब्राडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**962.07**	**45.29**	**1007.35**
शहरी टेलीफ़ोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**720.15**	**42.29**	**762.44**
दिसंबर 2025 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	6.86	0.34	7.20
मासिक वृद्धि दर	0.96%	0.82%	0.95%
ग्रामीण टेलीफ़ोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**538.62**	**5.08**	**543.70**
दिसंबर 2025 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	1.35	-0.03	1.33
मासिक वृद्धि दर	0.25%	-0.49%	0.25%
टेलीफोन उपभोक्ताओं की कुल संख्या (मिलियन में)	**1258.77**	**47.37**	**1306.14**
दिसंबर 2025 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	8.21	0.32	8.53
मासिक वृद्धि दर	0.66%	0.68%	0.66%
शहरी उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी	57.21%	89.27%	58.37%
ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी	42.79%	10.73%	41.63%
समग्र दूरसंचार-घनत्व@ एम 2 एम सेलुलर मोबाइल कनेक्शन के साथ	**88.41%**	**3.33%**	**91.74%**
शहरी दूरसंचार-घनत्व@	140.66%	8.26%	148.92%
ग्रामीण दूरसंचार-घनत्व@	59.07%	0.56%	59.63%
दूरसंचार-घनत्व@ एम 2 एम सेलुलर मोबाइल कनेक्शन के बिना	**80.74%**	**3.33%**	**84.01%**

- दिसंबर 2025 के माह में 16.12 मिलियन उपभोक्ताओं ने मोबाइल नम्बर पोर्टिबिलिटी (एमएनपी) हेतु अपने अनुरोध दर्ज करवाए हैं।
- दिसंबर 2025 के अंत तक सक्रिय वायरलेस (मोबाइल) उपभोक्ताओं (अधिकतम वीएलआर# की तिथि पर) की संख्या 1162.97 मिलियन थी।

नोट: -

* वायरलेस उपभोक्ता आधार में वायरलेस मोबाइल टेलीफोन उपभोक्ता (एम 2 एम सेल्युलर मोबाइल कनेक्शनों सहित) तथा फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस (FWA) उपभोक्ता शामिल हैं।

* नवंबर 2025 तक मैसर्स भारती एयरटेल लिमिटेड द्वारा अपनी वायरलेस (मोबाइल) उपभोक्ता आधार रिपोर्ट में एम2एम सेल्युलर उपभोक्ताओं को शामिल नहीं किया जाता था, जबकि अन्य सभी दूरसंचार सेवा प्रदाता अपने-अपने वायरलेस (मोबाइल) उपभोक्ता आधार की रिपोर्ट में एम2एम सेल्युलर उपभोक्ताओं को सम्मिलित कर रहे थे। दिसंबर 2025 से मैसर्स भारती एयरटेल लिमिटेड द्वारा भी अपनी वायरलेस (मोबाइल) उपभोक्ता आधार रिपोर्ट में एम2एम सेल्युलर उपभोक्ताओं को शामिल किया जाना प्रारंभ कर दिया गया है। इसके परिणामस्वरूप दिसंबर 2025 माह में वायरलेस (मोबाइल) उपभोक्ता आधार में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है।

@ पिछले माह तक प्रकाशित रिपोर्टों में कुल टेली-घनत्व की गणना दूरभाष उपभोक्ता आधार में एम 2 एम सेल्युलर मोबाइल कनेक्शनों को शामिल करते हुए की गई थी।

@ टेली-घनत्व की गणना जुलाई 2020 में प्रकाशित "भारत एवं राज्यों के लिए जनसंख्या प्रक्षेपण पर तकनीकी समूह की रिपोर्ट (2011–2036)" में उल्लिखित जनसंख्या प्रक्षेपण के आधार पर की गई है।

VLR विज़िटर लोकेशन रजिस्टर का संक्षिप्त नाम है। विभिन्न दूरसंचार सेवा प्रदाताओं के लिए पीक वीएलआर की तिथियां अलग-अलग सेवा क्षेत्रों में अलग-अलग हैं।

- इस प्रेस विज्ञप्ति में दी गई जानकारी दूरसंचार सेवा प्रदाताओं द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों पर आधारित है।

I. ब्राडबैंड सब्सक्राइबर बेस

दिसंबर 2025 महीने में 1479 सेवा प्रदाताओं से प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार, ब्राडबैंड सब्सक्राइबरों की संख्या 1003.65 मिलियन से बढ़कर 1007.35 मिलियन हो गई जिसमें वृद्धि दर 0.37% प्रतिशत रही। श्रेणीवार ब्राडबैंड सब्सक्राइबरों की संख्या तथा उनकी मासिक वृद्धि दर नीचे दी गई हैः-

दिसंबर 2025 के माह की स्थिति के अनुसार ब्राडबैंड सब्सक्राइबर बेस तथा उनकी मासिक वृद्धि दर

सेगमेंट	सब्सक्रिप्शन	सब्सक्राइबर बेस (मिलियन में)		परिवर्तन दर (प्रतिशत)
		नवंबर-25	दिसंबर-25	
वायर्ड सब्सक्राइबर	**फिक्स्ड वायर्ड एक्सेस** (डी.एस.एल., एफ.टी.टी.एक्स., ईथरनेट/एल.ए.न, केबल मॉडेम, आई.एल.एल)	45.11	45.29	0.39%
वायरलेस सब्सक्राइबर	**फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस** (एफ.डब्ल्यू.ए.-5जी, वाई-फाई, वाई-मैक्स, रेडियो/यूबीआर, सैटेलाइट)	14.06	14.77	5.04%
	मोबाइल वायरलेस एक्सेस (3जी, 4जी, 5जी)	944.48	947.30	0.30%
कुल		**1003.65**	**1007.35**	**0.37%**

31 दिसंबर 2025 के अंत तक सबसे बड़े पांच (वायर्ड+वायरलेस) सेवा प्रदाता

क्रम संख्या	सेवा प्रदाता का नाम	सब्सक्राइबर बेस (मिलियन में)
1.	रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड	514.35
2.	भारती एयरटेल लिमिटेड*	314.26
3.	वोडाफोन आइडिया लिमिटेड	128.47
4.	भारत संचार निगम लिमिटेड	33.03
5.	आत्रिया कन्वर्जेंस टेक्नोलॉजीज लिमिटेड	2.37
पांच सबसे बड़े ब्रॉडबैंड (वायर्ड+वायरलेस) सेवा प्रदाताओं का मार्केट शेयर		**98.52%**

(*) यह रिपोर्ट भारती एयरटेल लिमिटेड द्वारा प्रस्तुत किए गए अंतिम उपलब्ध इंटरनेट उपभोक्ता आँकड़ों (नवंबर 2025) के आधार पर तैयार की गई है, क्योंकि लाइसेंसधारी द्वारा निर्धारित प्रावधानों के अनुसार दिसंबर 2025 के इंटरनेट उपभोक्ता आँकड़े प्रस्तुत नहीं किए गए हैं।

- ब्राडबैंड सेवाओं की सेवा प्रदातावार बाजार हिस्सेदारी का रेखाचित्रवार प्रदर्शन नीचे दिया गया हैः -

दिनांक 31 दिसंबर 2025 की स्थिति के अनुसार ब्राडबैंड (वायरलाईन+वायरलेस) सेवाओं की सेवा प्रदातावार बाजार हिस्सेदारी

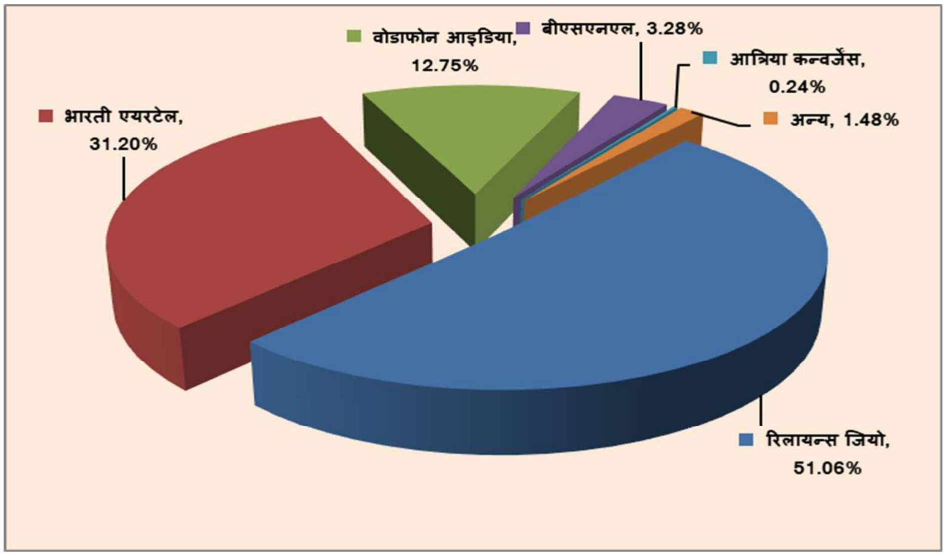

- **दिनांक 31 दिसंबर 2025 की स्थिति के अनुसार पांच सबसे बड़े फिक्स्ड वायर्ड एक्सेस ब्राडबैंड सेवा प्रदाता**

क्रम संख्या	सेवा प्रदाता का नाम	सब्सक्राइबर बेस (मिलियन में)
1.	रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड	13.80
2.	भारती एयरटेल लिमिटेड	10.05
3.	भारत संचार निगम लिमिटेड	4.47
4.	आत्रिया कन्वर्जेंस टेक्नोलॉजीज लिमिटेड	2.37
5.	केरला विजन ब्रॉडबैंड लिमिटेड	1.45
पांच सबसे बड़े फिक्स्ड वायर्ड एक्सेस ब्राडबैंड सेवा प्रदाताओं का मार्केट शेयर		**70.96%**

- **दिनांक 31 दिसंबर 2025 की स्थिति के अनुसार पांच सबसे बड़े वायरलेस ब्राडबैंड (फिक्स्ड वायरलेस ब्राडबैंड और मोबाइल ब्राडबैंड) सेवा प्रदाता**

क्रम संख्या	सेवा प्रदाता का नाम	सब्सक्राइबर बेस (मिलियन में)
1.	रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड	500.55
2.	भारती एयरटेल लिमिटेड	304.21
3.	वोडाफोन आइडिया लिमिटेड	128.46
4.	भारत संचार निगम लिमिटेड	28.56
5.	आईबस वर्चुअल नेटवर्क सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड	0.12
पांच सबसे बड़े वायरलेस ब्राडबैंड (फिक्स्ड वायरलेस ब्राडबैंड और मोबाइल ब्राडबैंड) सेवा प्रदाताओं का मार्केट शेयर		**99.98%**

II. वायरलाइन टेलीफोन सब्सक्राइबर बेस

- वायरलाइन सब्सक्राइबरों की कुल संख्या 30 नवंबर 2025 को 47.05 मिलियन से बढ़कर 31 दिसंबर 2025 को 47.37 मिलियन हो गई। इस माह में 0.68% की मासिक वृद्धि दर के साथ वायरलाइन सब्सक्राइबरों की संख्या में 0.32 मिलियन की वृद्धि दर्ज की गई।

- भारत में कुल वायरलाइन टेली-घनत्व नवंबर 2025 के अंत में 3.31% से बढ़कर दिसंबर 2025 के अंत में 3.33% हो गई। इसी अवधि के दौरान शहरी और ग्रामीण वायरलाइन टेली-घनत्व क्रमशः 8.26% और 0.56% था। दिसंबर 2025 के अंत में कुल वायरलाइन सब्सक्राइबरों में शहरी और ग्रामीण ग्राहकों की हिस्सेदारी क्रमशः 89.27% और 10.73% थी।

- 31 दिसंबर 2025 के अंत में तीनों सार्वजनिक क्षेत्रों के सेवा प्रदाताओं यथा बीएसएनएल, एमटीएनएल तथा एपीएसएफएल के पास वायरलाइन बाजार की 19.70% हिस्सेदारी थी। वायरलाइन सब्सक्राइबरों की संख्या के विस्तृत आंकड़े **अनुलग्नक-1** में उपलब्ध हैं।

दिनांक 31 दिसंबर 2025 की स्थिति के अनुसार एक्सेस सेवा प्रदातावार वायरलाइन सब्सक्राइबर बेस की बाजार हिस्सेदारी

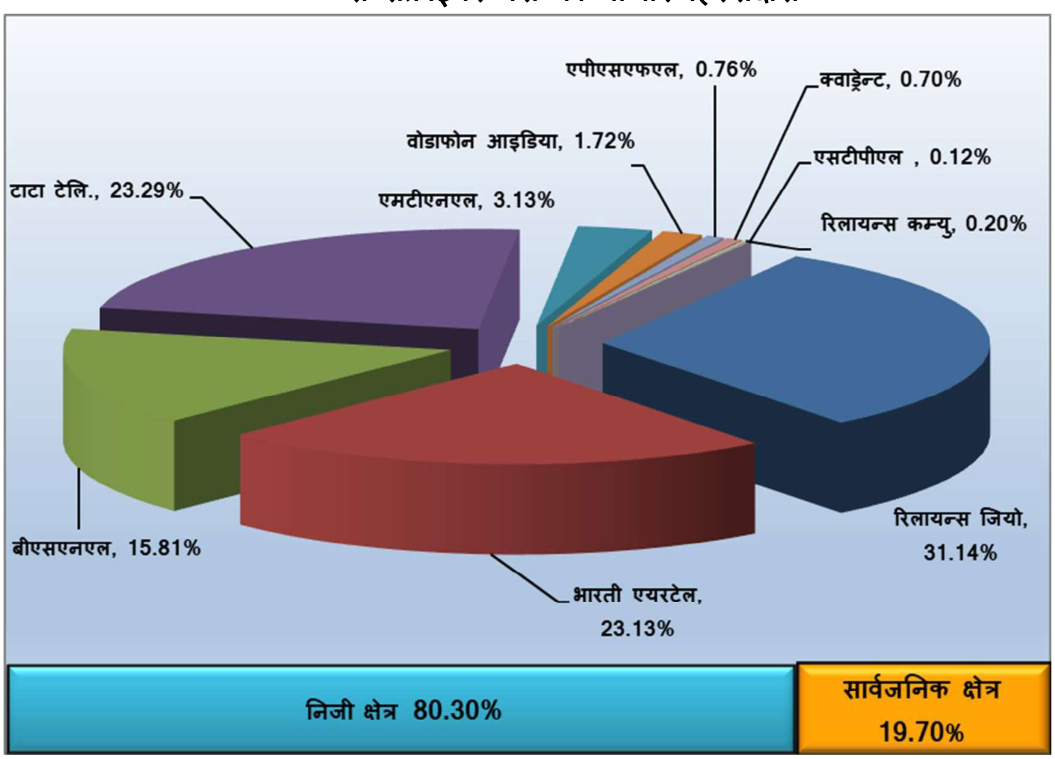

दिसंबर 2025 माह में टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के वायरलाइन सब्सक्राइबरों की संख्या में जोड़े गए/कम हुए निबल नए सब्सक्राइबर

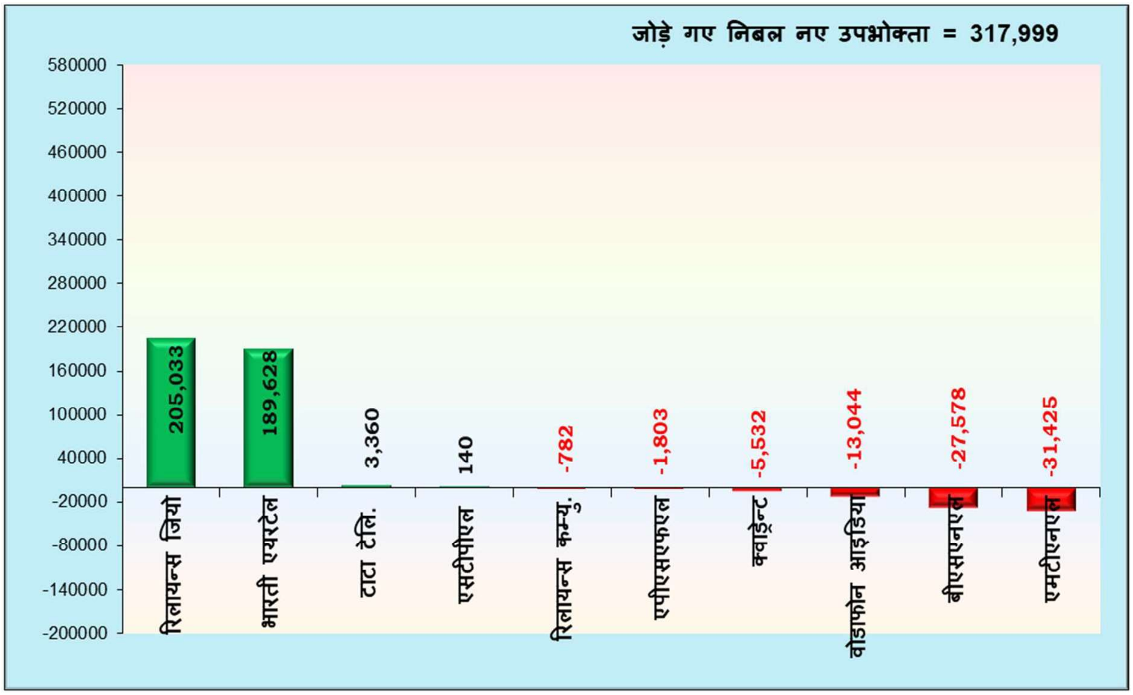

III. वायरलेस टेलीफोन (मोबाइल + एफडब्ल्यूए) सब्सक्राइबर बेस

- कुल वायरलेस (मोबाइल + एफडब्ल्यूए) सब्सक्राइबरों की संख्या 30 नवंबर 2025 को 1250.56 मिलियन से बढ़कर 31 दिसंबर 2025 को 1258.77 मिलियन हो गई, जिससे 0.66% की मासिक वृद्धि दर दर्ज की गई। शहरी क्षेत्रों में कुल वायरलेस सब्सक्रिप्शन 30 नवंबर 2025 को 713.29 मिलियन से बढ़कर, 31 दिसंबर 2025 को 720.15 मिलियन हो गई और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में सब्सक्रिप्शन 537.26 मिलियन से बढ़कर 538.62 मिलियन हो गई। शहरी और ग्रामीण वायरलेस सब्सक्रिप्शन की मासिक वृद्धि दर क्रमशः 0.96% और 0.25% थी।

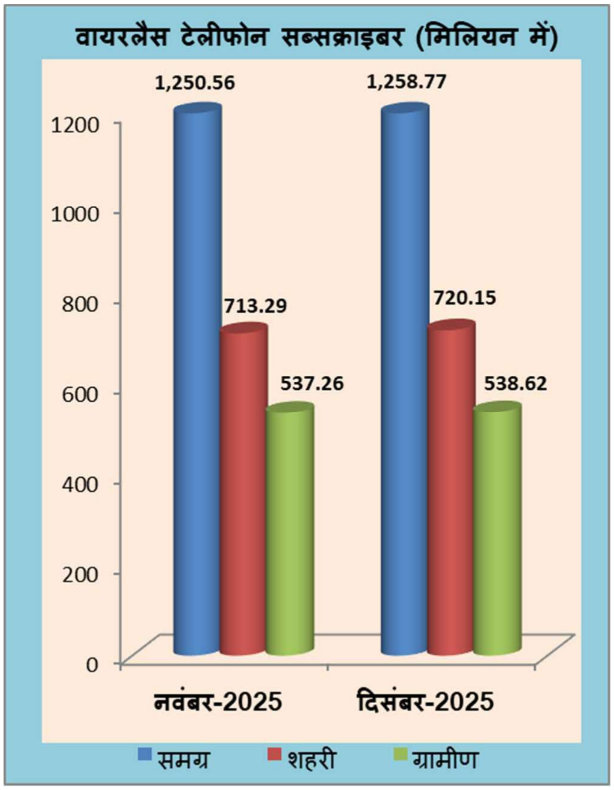

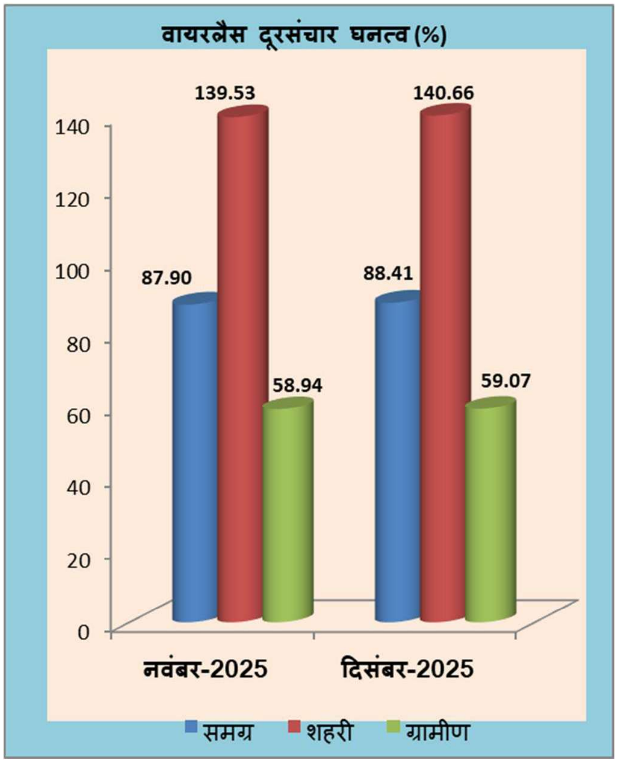

- भारत में वायरलेस टेली-घनत्व नवंबर 2025 के अंत में 87.90% से बढ़कर दिसंबर 2025 के अंत में 88.41% हो गया। शहरी वायरलेस टेली-घनत्व नवंबर 2025 के अंत में 139.53% से बढ़कर दिसंबर 2025 के अंत में 140.66% हो गया और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण टेली-घनत्व में 58.94% से बढ़कर 59.07% हो गया। दिसंबर 2025 के अंत में कुल वायरलेस ग्राहकों में शहरी और ग्रामीण वायरलेस ग्राहकों की हिस्सेदारी क्रमशः 57.21% और 42.79% थी।

नोट: - टेली-घनत्व के आंकड़ों की गणना में एम2एम सेल्युलर मोबाइल कनेक्शनों को भी शामिल किया गया है।

वायरलेस (मोबाइल) ग्राहकों और वायरलेस (एफडब्ल्यूए) ग्राहकों का विवरण नीचे दिया गया है: -

(ए) वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर बेस

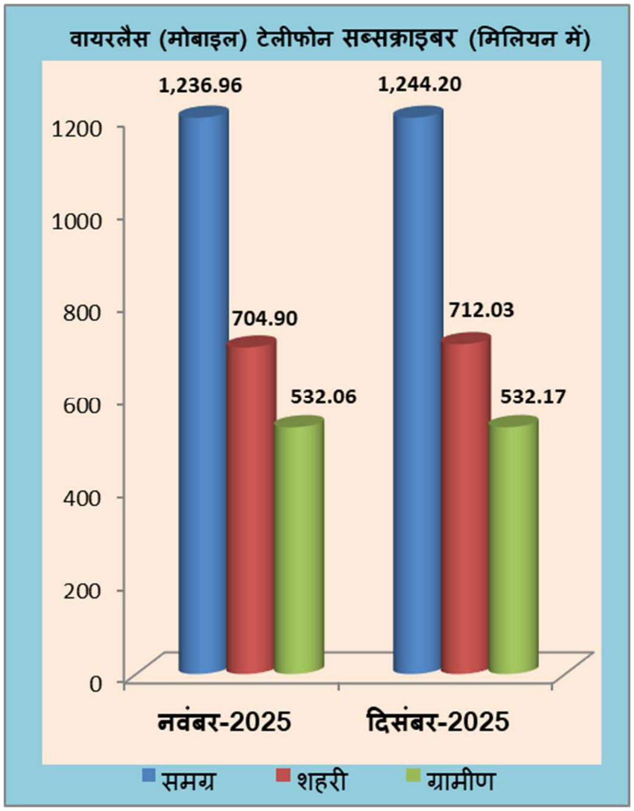

• कुल वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबरों की संख्या नवंबर 2025 के अंत में 1236.96 मिलियन से बढ़कर दिसंबर 2025 के अंत में 1244.20 मिलियन हो गए, जिससे मासिक वृद्धि दर 0.59% दर्ज की गई। शहरी क्षेत्रों में वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्रिप्शन नवंबर 2025 के अंत में 704.90 मिलियन से बढ़कर दिसंबर 2025 के अंत में 712.03 मिलियन हो गई और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्रिप्शन 532.06 मिलियन से बढ़कर 532.17 मिलियन हो गई। शहरी और ग्रामीण वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्रिप्शन की मासिक वृद्धि दर क्रमशः 1.01% और 0.02% थी।

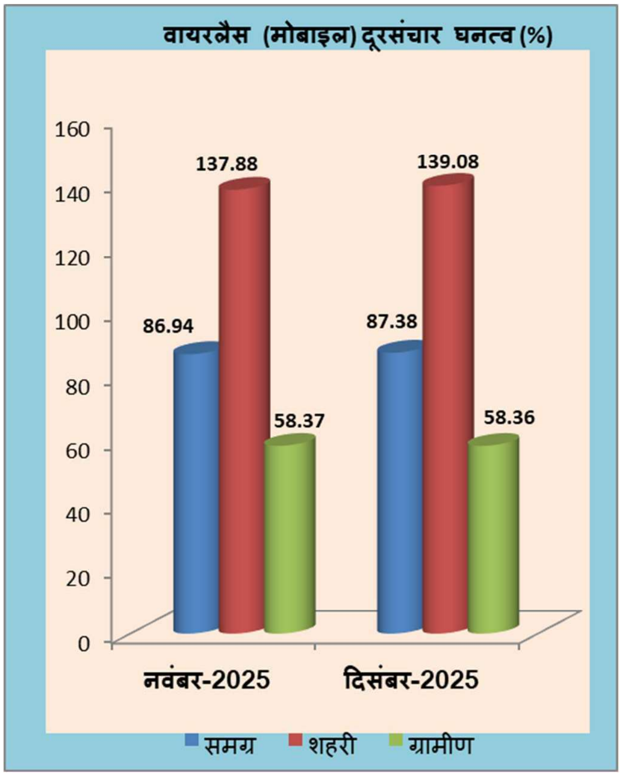

• भारत में वायरलेस (मोबाइल) टेली-घनत्व नवंबर 2025 के अंत में 86.94% से बढ़कर दिसंबर 2025 के अंत में 87.38% हो गया। शहरी वायरलेस टेली-घनत्व नवंबर 2025 के अंत में 137.88% से बढ़कर दिसंबर 2025 के अंत में 139.08% हो गया और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण टेली-घनत्व में 58.37 से घटकर 58.36% हो गया। दिसंबर 2025 के अंत में कुल वायरलेस (मोबाइल) ग्राहकों में शहरी और ग्रामीण वायरलेस (मोबाइल) ग्राहकों की हिस्सेदारी क्रमशः 57.23% और 42.77% थी।

वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर बेस के विस्तृत आँकड़े **अनुलग्नक-2** में उपलब्ध हैं।

नोट: - टेली-घनत्व के आंकड़ों की गणना में एम2एम सेल्युलर मोबाइल कनेक्शनों को भी शामिल किया गया है।

- दिनांक 31 दिसंबर 2025 की स्थिति के अनुसार, निजी सेवा प्रदाताओं के पास वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर की संख्या का 92.53% बाजार हिस्सेदारी थी जबकि दो सार्वजनिक क्षेत्रों के टेलीफोन सेवा प्रदाताओं नामतः बीएसएनएल तथा एमटीएनएल के पास 7.47% बाजार हिस्सेदारी थी।
- एक्सेस सेवा प्रदाता-वार बाजार हिस्सेदारी और वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर बेस में शुद्ध वृद्धि को रेखाचित्र के रूप में नीचे प्रदर्शित किया गया हैः -

31 दिसंबर 2025 तक वायरलेस (मोबाइल) उपभोक्ताओं के संदर्भ में एक्सेस सेवा प्रदाता-वार बाजार हिस्सेदारी

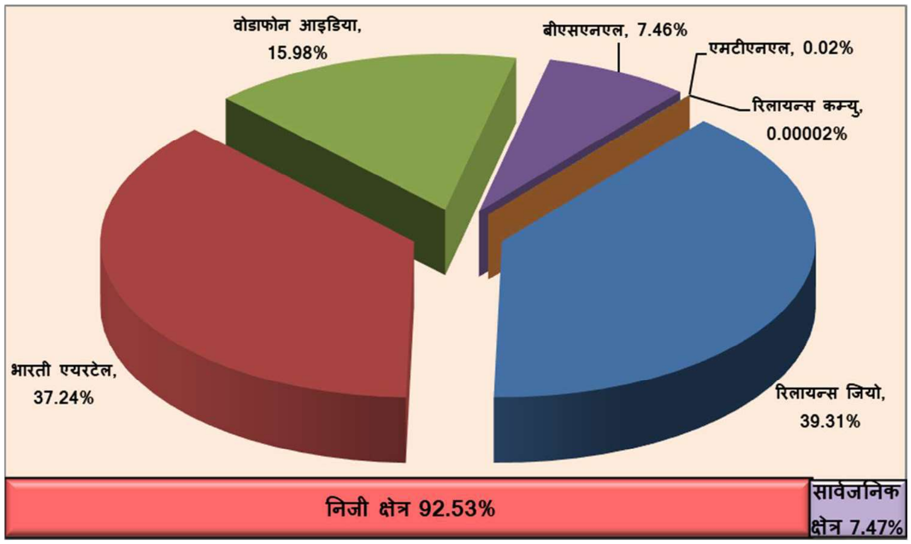

31 दिसंबर 2025 के महीने में एक्सेस सेवा प्रदाताओं के वायरलेस (मोबाइल) ग्राहकों में शुद्ध वृद्धि/कमी

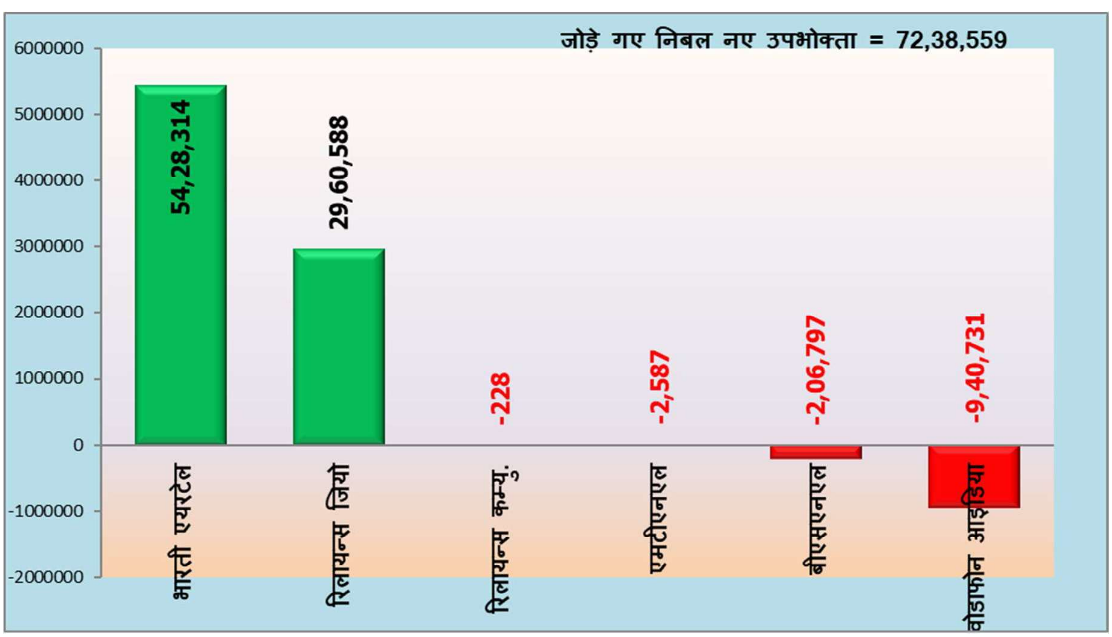

वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबरों में वृद्धि

दिसंबर 2025 माह में वायरलेस सब्सक्राइबरों की प्रमुख एक्सेस सेवा प्रदातावार मासिक वृद्धि दर

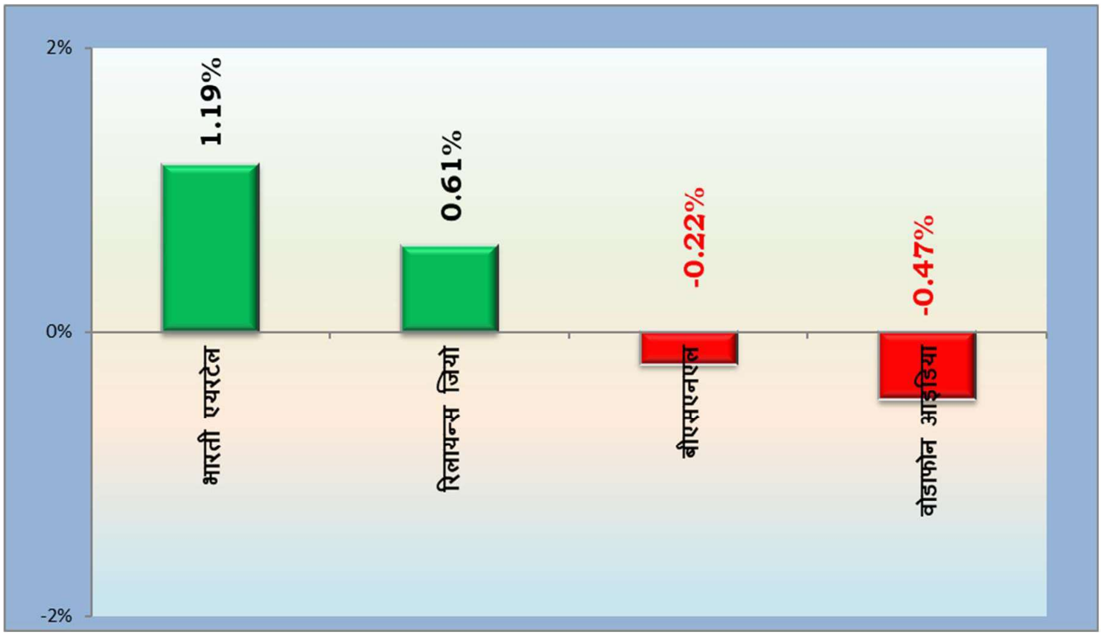

दिसंबर 2025 माह के दौरान लाइसेंस्ड सेवा-क्षेत्रवार वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर बेस में मासिक वृद्धि दर

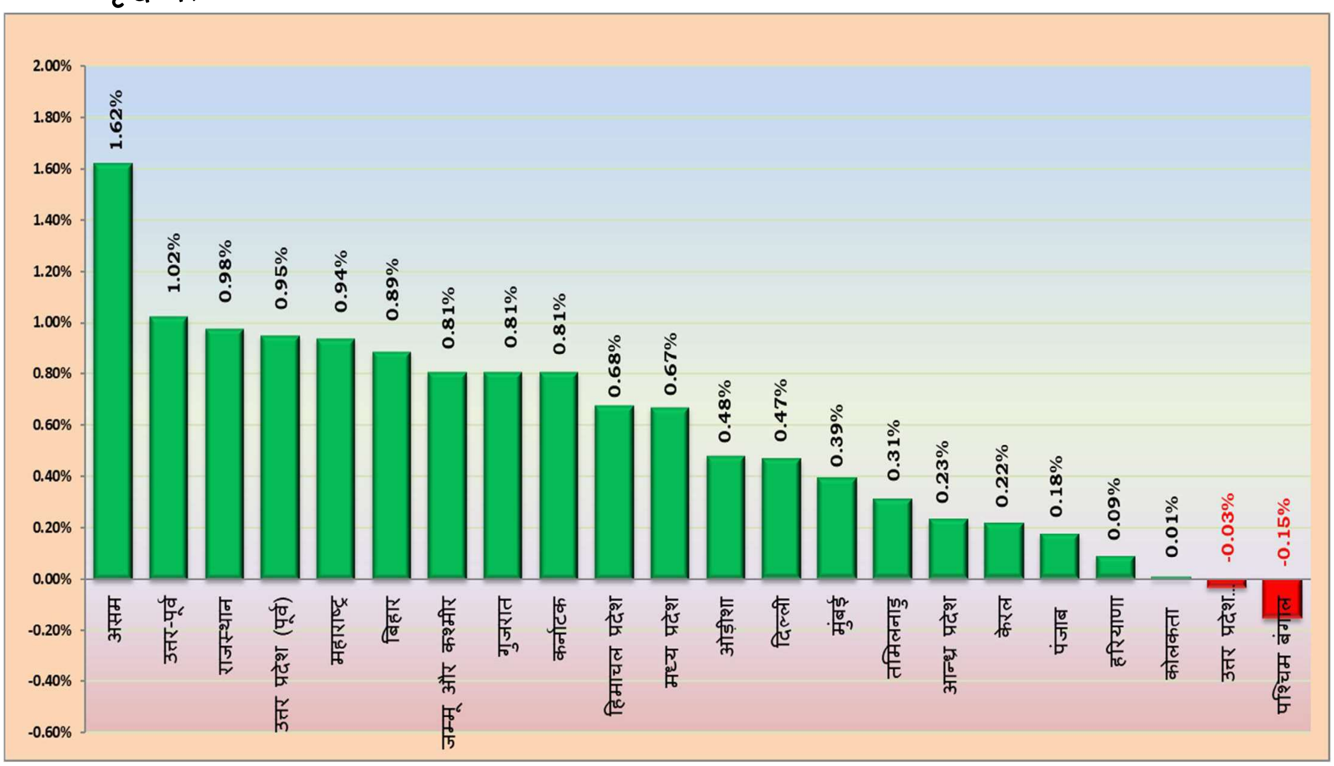

- दिसंबर 2025 के दौरान पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश (पश्चिम) क्षेत्र को छोड़कर अन्य सभी एल एस ए में वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर की संख्या में वृद्धि दर्ज की गई।

(बी) वायरलेस (एफडब्ल्यूए) सब्सक्राइबर बेस

- वर्तमान में फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस (एफडब्ल्यूए) आधारित सेवाएं दो श्रेणियों के तहत प्रदान की जा रही है

  (a) 5जी एफडब्ल्यूए i.e. एफडब्ल्यूए 5जी रेडियो एक्सेस तकनीकि का उपयोग करके; और

  (b) यूबीआर एफडब्ल्यूए i.e. एफडब्ल्यूए बिना लाइसेंस वाले रेडियो बैंड (यूबीआर) तकनीक का उपयोग करके.

- नवंबर 2025 के अंत में कुल वायरलेस (5जी एफडब्ल्यूए) सब्सक्राइबरों की संख्या 10.41 मिलियन से बढ़कर दिसंबर 2025 के अंत में 10.99 मिलियन हो गई, जिसमें शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में सब्सक्राइबरों की संख्या क्रमशः 5.58 मिलियन और 5.41 मिलियन थी। दिसंबर 2025 के अंत में कुल वायरलेस (5जी एफडब्ल्यूए) सब्सक्राइबरों में शहरी और ग्रामीण वायरलेस (5जी एफडब्ल्यूए) सब्सक्राइबरों की हिस्सेदारी क्रमशः 50.78% और 49.22% थी।
- एल एस ए वार वायरलेस (5जी एफडब्ल्यूए) सब्सक्राइबर बेस के विस्तृत आँकडे **अनुलग्नक-5** पर उपलब्ध हैं।
- दिसंबर 2025 के अंत तक यूबीआर एफडब्ल्यूए सब्सक्रिप्शन की संख्या 3.58 मिलियन थी, जिसमें शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में सब्सक्रिप्शन क्रमशः 2.54 मिलियन और 1.03 मिलियन थे। दिसंबर 2025 के अंत तक कुल वायरलेस (यूबीआर एफडब्ल्यूए) सब्सक्राइबर्स में शहरी और ग्रामीण वायरलेस (यूबीआर एफडब्ल्यूए) सब्सक्राइबर्स की हिस्सेदारी क्रमशः 71.09% और 28.91% थी।
- एल एस ए वार वायरलेस (यूबीआर एफडब्ल्यूए) ग्राहक आधार की जानकारी **अनुलग्नक-6** पर उपलब्ध है।

IV. एम2एम सेल्युलर मोबाइल कनेक्शन

एम2एम सेलुलर मोबाइल कनेक्शनों की संख्या नवंबर 2025 के अंत में 103.48 मिलियन से बढ़कर दिसंबर 2025 के अंत में 109.19 मिलियन हो गई।

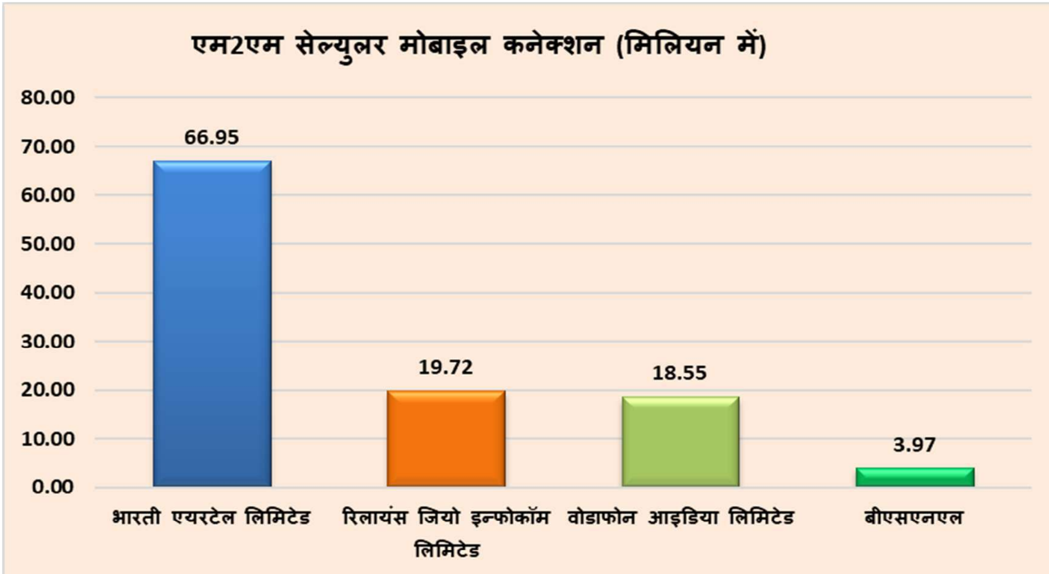

भारती एयरटेल लिमिटेड के पास 61.31% की बाजार हिस्सेदारी के साथ सबसे अधिक एम2एम सेल्युलर मोबाइल कनेक्शन 66.95 मिलियन हैं, इसके बाद रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड, वोडाफोन आइडिया लिमिटेड और बीएसएनएल के पास क्रमशः 18.06%, 16.99% और 3.64% की बाजार हिस्सेदारी है।

V. कुल टेलीफोन सब्सक्राइबर बेस

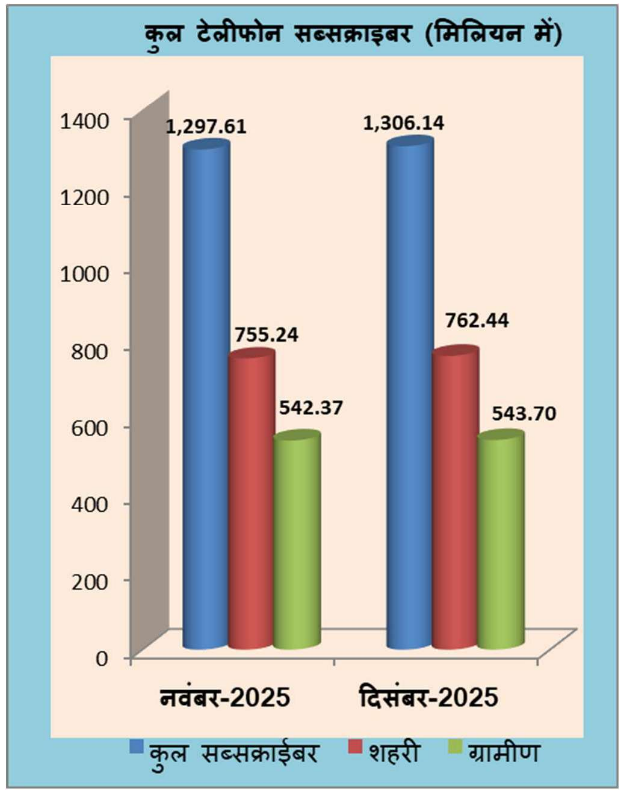

- नवंबर 2025 के अंत तक देश में टेलीफोन सब्सक्राइबरों की संख्या 1297.61 मिलियन से बढ़कर दिसंबर 2025 के अंत तक 1306.14 मिलियन हो गई, जिसमें मासिक वृद्धि दर 0.66% प्रतिशत दर्ज की गयी। नवंबर 2025 के अंत तक शहरी सब्सक्राइबरों की संख्या 755.24 मिलियन से बढ़कर दिसंबर 2025 के अंत तक 762.44 मिलियन हो गई और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण सब्सक्राइबरों की संख्या 542.37 मिलियन से बढ़कर 543.70 मिलियन हो गई। दिसंबर 2025 माह के दौरान शहरी एवं ग्रामीण सब्सक्राइबरों की मासिक वृद्धि दर क्रमशः 0.95% तथा 0.25% रही।

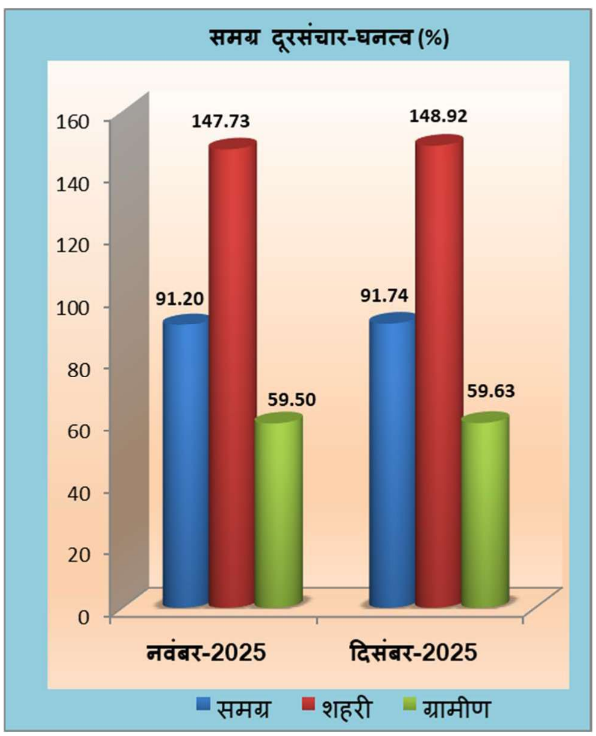

- देश में समग्र दूरसंचार घनत्व नवंबर 2025 के अंत तक 91.20% से बढ़कर दिसंबर 2025 के अंत तक 91.74% हो गया। शहरी दूरसंचार घनत्व नवंबर 2025 के अंत तक 147.43% से बढ़कर दिसंबर 2025 के अंत तक 148.92% हो गया और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण दूरसंचार घनत्व 59.50% से बढ़कर 59.63% हो गया। दिसंबर 2025 के अंत तक कुल टेलिफोन उपभोक्ताओं की संख्या में शहरी और ग्रामीण सब्सक्राइबरों की हिस्सेदारी क्रमशः 58.37% तथा 41.63% थी।

नोटः - टेली-घनत्व के आंकड़ों की गणना में एम2एम सेलुलर मोबाइल कनेक्शनों को भी शामिल किया गया है।

दिनांक 31 दिसंबर 2025 की स्थिति के अनुसार सेवा क्षेत्र (एलएसए) वार समग्र दूरसंचार-घनत्व

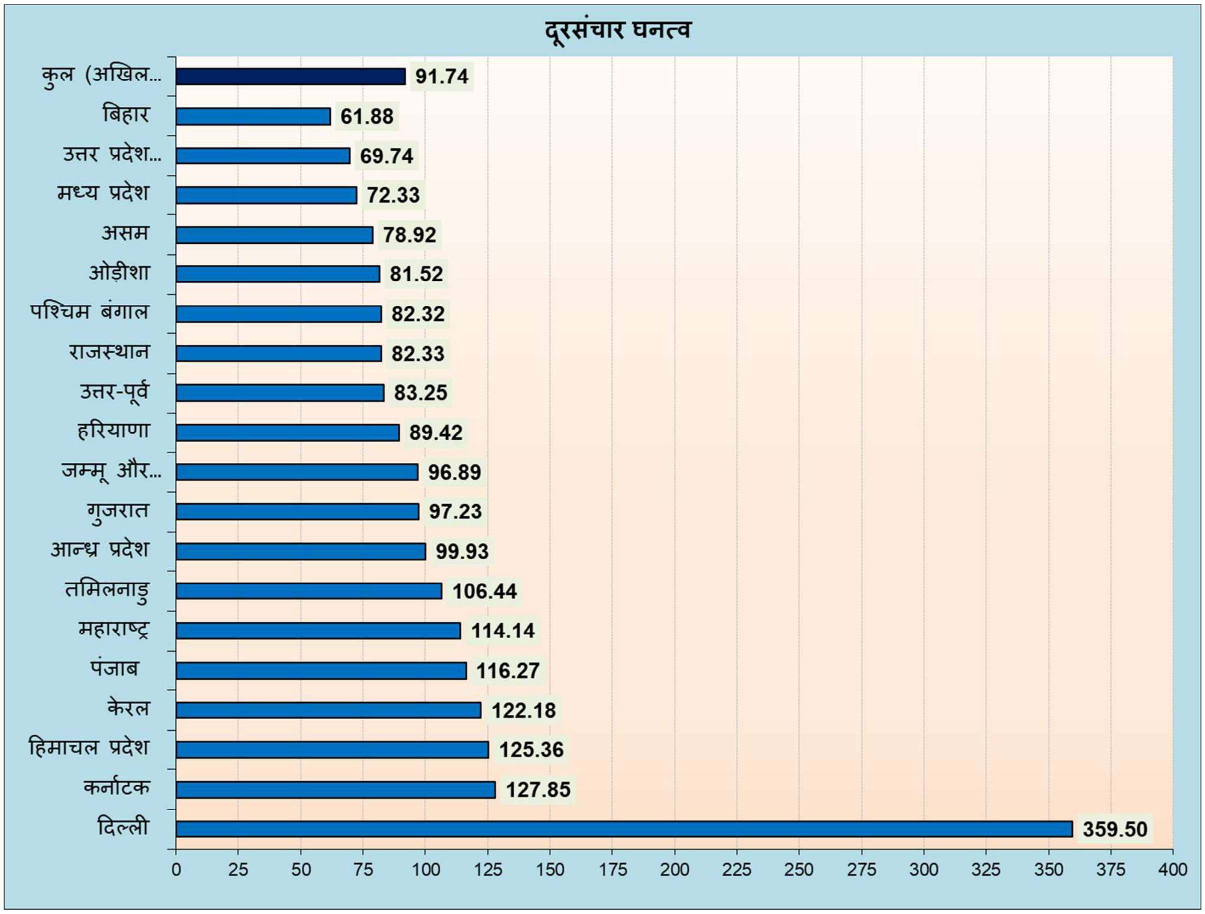

- जैसा कि उपर्युक्त चार्ट में देखा जा सकता है कि दिसंबर 2025 के अंत में नौ एल एस ए में टेली-घनत्व, अखिल भारत के औसत टेलि-घनत्व से कम रहा है। दिल्ली एल एस ए में अधिकतम टेली-घनत्व 359.50% रहा और इसी दौरान बिहार एल एस ए में न्यूनतम टेली-घनत्व 61.88% रहा।

नोट: -

1. जनसंख्या आंकड़े/अनुमान केवल राज्यवार ही उपलब्ध हैं।
2. दूरसंचार घनत्व के आंकड़ों को टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के द्वारा उपलब्ध कराए गए उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़ों तथा तकनीकी समूह की भारत और राज्यों के लिए जनसंख्या 2011-2036 के अनुमानों की रिपोर्ट के आकड़ो के आधार पर।
3. दिल्ली के लिए टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़ों में दिल्ली राज्य के आंकड़ों के अलावा, गाजियाबाद, और नोएडा (उत्तर प्रदेश में स्थित) तथा गुड़गांव और फरीदाबाद (हरियाणा में स्थित) के स्थानीय एक्सचेजों के दायरे में आने वाले क्षेत्रों हेतु वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़े शामिल हैं।
4. पश्चिम बंगाल में कोलकाता, महाराष्ट्र में मुंबई तथा उत्तर प्रदेश में उ0प्र0(पूर्व) एवं उ0प्र0(पश्चिम) सेवा क्षेत्रों की सूचनायें शामिल है।
5. आंघ्र प्रदेश में तेलंगाना, बिहार में झारखंड, मध्य प्रदेश में छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र में गोवा, उत्तर प्रदेश में उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल में सिक्किम तथा उत्तर-पूर्व में अरूणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड एवं त्रिपुरा राज्यों को शामिल किया गया है।
6. टेली-घनत्व के आंकड़ों की गणना में एम2एम सेल्युलर मोबाइल कनेक्शनों को भी शामिल किया गया है।

VI. सब्सक्राइबर बेस में श्रेणीवार वृद्धि

दिसंबर 2025 माह में टेलीफोन सब्सक्राइबरों की संख्या में सेवा क्षेत्र श्रेणीवार जोड़े गए निबल नए सब्सक्राइबर

सेवा क्षेत्र श्रेणी	दिसंबर 2025 के माह में जोड़े गए निबल नए सब्सक्राइबर		दिनांक 31 दिसंबर 2025 की स्थिति के अनुसार सब्सक्राइबर की संख्या	
	वायरलाइन	वायरलेस*	वायरलाइन	वायरलेस*
श्रेणी - क	88,650	2,926,708	20,157,520	421,811,949
श्रेणी – ख	131,627	2,692,069	11,530,876	490,730,691
श्रेणी - ग	63,016	2,008,055	3,528,315	207,432,235
महानगर	34,706	585,549	12,151,480	138,794,472
अखिल भारतीय	**317,999**	**8,212,381**	**47,368,191**	**1,258,769,347**

दिसंबर 2025 माह में सेवा क्षेत्र श्रेणीवार टेलीफोन सब्सक्राइबरों की संख्या में मासिक एवं वार्षिक प्रतिशत वृद्धि दर

सेवा क्षेत्र श्रेणी	मासिक वृद्धि दर (प्रतिशत में) (नवंबर 2025 से दिसंबर 2025)		वार्षिक वृद्धि दर (प्रतिशत में) (दिसंबर 2024 से दिसंबर 2025)	
	वायरलाइन	वायरलेस*	वायरलाइन	वायरलेस*
श्रेणी – क	0.44%	0.70%	33.67%	7.57%
श्रेणी – ख	1.15%	0.55%	3.25%	4.67%
श्रेणी - ग	1.82%	0.98%	3.80%	8.02%
महानगर	0.29%	0.42%	26.29%	8.64%
अखिल भारतीय	**0.68%**	**0.66%**	**20.63%**	**6.61%**

* वायरलेस उपभोक्ता आधार में वायरलेस मोबाइल टेलीफोन उपभोक्ता (एम 2 एम सेल्युलर मोबाइल कनेक्शनों सहित) तथा फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस (FWA) उपभोक्ता शामिल हैं।

नोट: सेवाक्षेत्र श्रेणी महानगर में दिल्ली, मुंबई और कोलकाता शामिल हैं।

- जैसा कि ऊपर दी गई तालिकाओं में देखा जा सकता है, वायरलेस सेगमेंट में दिसंबर 2025 के महीने के दौरान, मासिक आधार पर सभी सर्किलों ने अपने सब्सक्राइबर बेस में वृद्धि दर्ज की है। वार्षिक आधार पर, सभी सर्किलों ने अपने सब्सक्राइबर बेस में वृद्धि दर्ज की है।
- वायरलाइन सेगमेंट में दिसंबर 2025 के महीने के दौरान, मासिक आधार पर, सभी सर्किलों ने अपने सब्सक्राइबर बेस में वृद्धि दर्ज की है। वार्षिक आधार पर, सभी सर्किलों ने अपने सब्सक्राइबर बेस में वृद्धि दर्ज की है।

VII. सक्रिय वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर (वीएलआर आंकड़े)

- दिसंबर 2025 के माह में अधिकतम वीएलआर की तिथि पर कुल वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबरों की संख्या 1244.20 मिलियन में से 1162.97 मिलियन वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर सक्रिय थे। कुल वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबरों की संख्या की तुलना में सक्रिय वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर का अनुपात लगभग 93.47% प्रतिशत था।
- दिसंबर 2025 के माह में अधिकतम वीएलआर की तिथि पर सक्रिय वायरलेस सब्सक्राइबर (जिसे वीएलआर सब्सक्राइबर भी कहा जाता है) के अनुपात के विस्तृत आंकड़े **अनुलग्नक-3** में उपलब्ध हैं तथा वीएलआर सब्सक्राइबर की संख्या की जानकारी प्रदान करने हेतु उपयोग की गई पद्धति **अनुलग्नक-4** में उपलब्ध है।

दिसंबर 2025 माह के दौरान शीर्ष चार टेलीफोन सेवा प्रदातावार वीएलआर सब्सक्राइबर का अनुपात

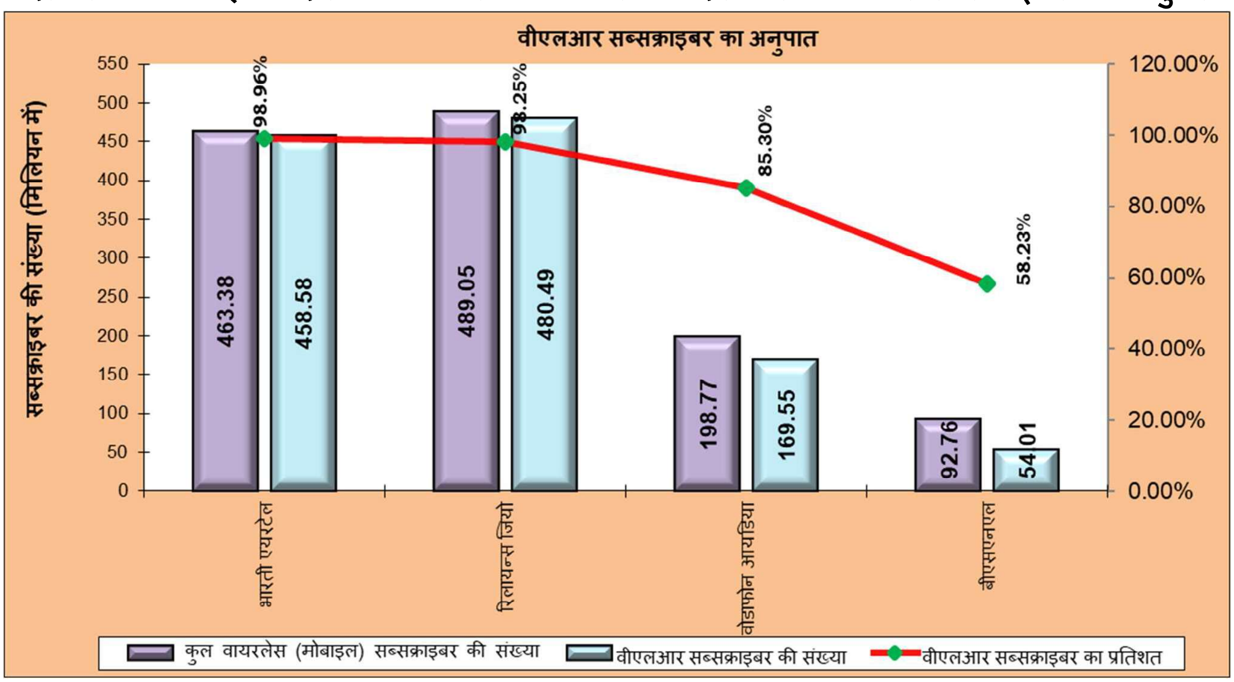

- दिसंबर 2025 माह में भारती एयरटेल का अधिकतम वीएलआर की तिथि में वीएलआर सब्सक्राइबर का अनुपात उसके कुल वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर की संख्या का 98.96% है जो कि सभी वायरलेस टेलिफोन सेवा प्रदाताओं में अधिकतम है। इसी दौरान बीएसएनएल के वीएलआर सब्सक्राइबर का अनुपात उसके कुल वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर की संख्या का 58.23% अर्थात् न्यूनतम रहा।

दिसंबर 2025 माह के दौरान सेवा क्षेत्रवार वीएलआर सब्सक्राइबर का अनुपात

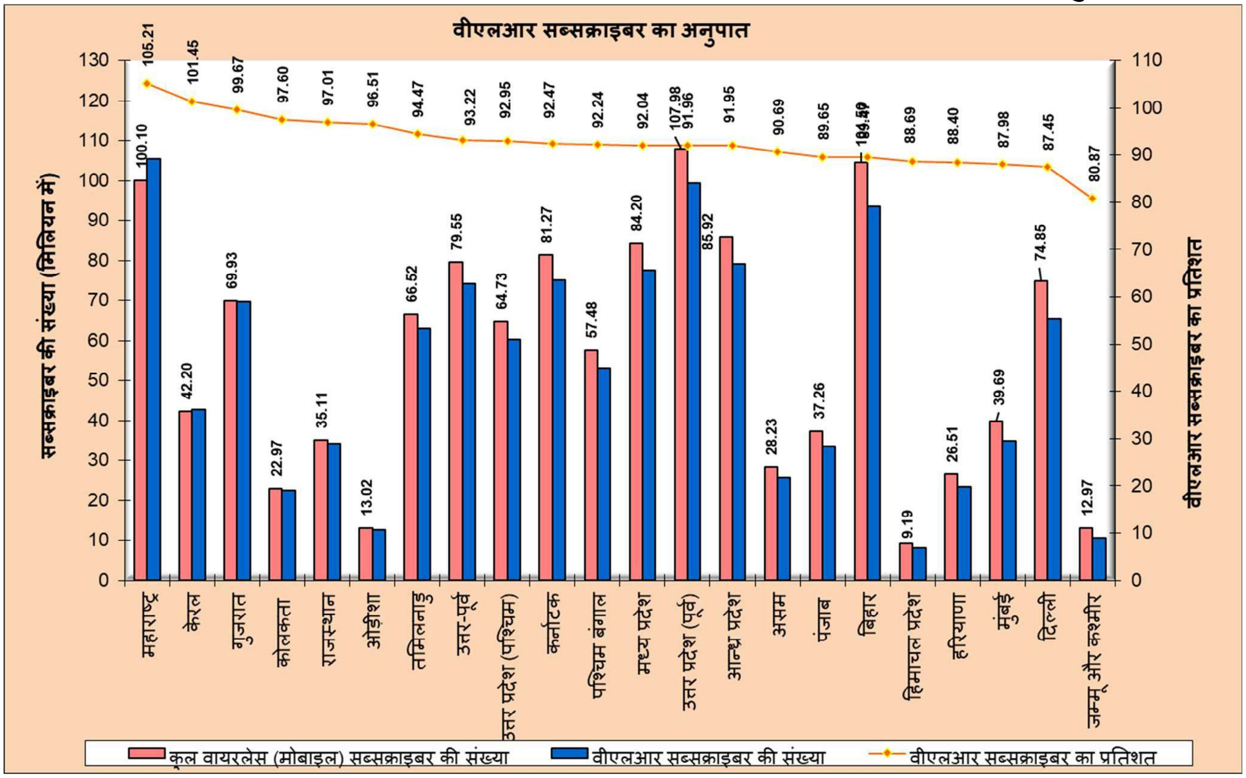

VIII. मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी)

- भारत में, अंतःसेवा-क्षेत्रीय मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी) को प्रथमतया दिनांक 25.11.2010 से हरियाणा सेवा क्षेत्र में तथा दिनांक 20.01.2011 से देश के अन्य सभी भागों में लागू किया गया था। दिनांक 03.07.2015 से देश में अंतर्सेवा-क्षेत्रीय एमएनपी लागू किया गया है। अब, वायरलेस मोबाइल सब्सक्राइबर एक एल एस ए से दूसरे एल एस ए में विस्थापित होने पर अपना मोबाइल नम्बर यथावत् रख सकते हैं।

- दिसंबर 2025 के माह में 16.12 मिलियन टेलीफोन सब्सक्राइबर से एमएनपी के लिए अनुरोध प्राप्त हुए। इन 16.12 मिलियन अनुरोधों में से 9.02 मिलियन अनुरोध जोन-। से तथा 7.10 मिलियन अनुरोध जोन-।। से प्राप्त हुए हैं।

- एमएनपी क्षेत्र-। (उत्तरी तथा पश्चिम भारत) उत्तर प्रदेश-पूर्व एल एस ए में (2.30 मिलियन) सबसे अधिक अनुरोध प्राप्त हुए जिसके बाद उत्तर प्रदेश-पश्चिम एल एस ए में (1.56 मिलियन) अनुरोध प्राप्त हुए हैं।

- एमएनपी क्षेत्र-II (दक्षिण तथा पूर्वी भारत) में सबसे अधिक अनुरोध मध्य प्रदेश सेवा क्षेत्र में (1.52 मिलियन) प्राप्त हुए हैं जिसके बाद बिहार सेवा क्षेत्र में (1.45 मिलियन) अनुरोध प्राप्त हुए हैं।

लाइसेंस्ड सेवा क्षेत्र-वार एमएनपी हेतु दर्ज अनुरोध					
जोन-I			**जोन-II**		
सेवा क्षेत्र	**महीने में पोर्टिंग अनुरोधों की संख्या (मिलियन में)**		**सेवा क्षेत्र**	**महीने में पोर्टिंग अनुरोधों की संख्या (मिलियन में)**	
	नवंबर 2025	**दिसंबर 2025**		**नवंबर 2025**	**दिसंबर 2025**
दिल्ली	0.66	0.75	आन्ध्र प्रदेश	0.68	0.69
गुजरात	1.00	1.15	असम	0.12	0.13
हरियाणा	0.41	0.46	बिहार	1.33	1.45
हिमाचल प्रदेश	0.06	0.06	कर्नाटक	0.61	0.63
जम्मू और कश्मीर	0.07	0.07	केरल	0.26	0.25
महाराष्ट्र	1.06	1.09	कोलकाता	0.19	0.19
मुंबई	0.25	0.27	मध्य प्रदेश	1.40	1.52
पंजाब	0.35	0.40	उत्तर-पूर्व	0.03	0.03
राजस्थान	0.78	0.93	ओड़ीशा	0.25	0.25
उत्तर प्रदेश-पूर्व	1.97	2.30	तमिलनाडु	0.62	0.65
उत्तर प्रदेश-पश्चिम	1.35	1.56	पश्चिम बंगाल	1.26	1.29
कुल	**7.94**	**9.02**	**कुल**	**6.74**	**7.10**
कुल (जोन-I + जोन-II)				14.69	16.12

किसी भी प्रकार के स्पष्टीकरण के लिए कृपया संपर्क करें

श्री अखिलेश कुमार त्रिवेदी, सलाहकार (एनएसएल-II),
भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण
वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, टॉवर-एफ, नौरोजी नगर,
नई दिल्ली-110029.
फोन-011-20907758
ई-मेलः advmn@trai.gov.in

PUSHPENDRA KUMAR SINGH Digitally signed by PUSHPENDRA KUMAR SINGH Date: 2026.02.10 15:47:28 +05'30'

(पुष्पेंद्र कुमार सिंह)
क/प प्रधान सलाहकार (एनएसएल), भा.दू.वि.प्रा.

वायरलाइन सब्सक्राइबर की संख्या

अनुलग्नक-1

एल एस ए	बीएसएनएल		एमटीएनएल		भारती एयरटेल		रिलायन्स कम्यु		टाटा टेलि.		क्वाड्रेन्ट		वोडाफोन आइडिया		रिलायन्स जियो		एसटीपीएल		एपीएसएफएल		कुल		शुद्ध योग
	नवंबर-25	दिसंबर-25	नवंबर-25	दिसंबर-25	नवंबर-25	दिसंबर-25	नवंबर-25	दिसंबर-25	नवंबर-25	दिसंबर-25	नवंबर-25	दिसंबर-25	नवंबर-25	दिसंबर-25	नवंबर-25	दिसंबर-25	नवंबर-25	दिसंबर-25	नवंबर-25	दिसंबर-25	नवंबर-25	दिसंबर-25	
आन्ध्र प्रदेश	654,074	654,423	-	-	937,510	956,600	14,509	14,306	1,056,329	1,054,302	-	-	75,630	75,600	1,904,317	1,929,093	-	-	363,018	361,215	5,005,387	5,045,539	40152
असम	100,213	100,123	-	-	73,170	76,134	-	-	-	-	-	-	2,080	2,110	238,455	241,642	-	-	-	-	413,918	420,009	6091
बिहार	167,968	166,448	-	-	410,259	422,080	9	9	65,863	68,313	-	-	4,807	4,779	727,126	741,970	-	-	-	-	1,376,032	1,403,599	27567
दिल्ली	-	-	705,372	690,511	2,411,974	2,435,462	12,072	12,018	966,877	969,164	-	-	90,882	80,472	1,122,566	1,137,923	-	-	-	-	5,309,743	5,325,550	15807
गुजरात	459,726	456,111	-	-	343,944	352,200	2,378	2,379	754,782	755,646	-	-	117,516	119,806	890,059	909,479	-	-	-	-	2,568,405	2,595,621	27216
हरियाणा	376,395	377,570	-	-	226,276	231,377	-	-	170,840	170,550	-	-	360	380	173,822	175,121	-	-	-	-	947,693	954,998	7305
हिमाचल प्रदेश	98,290	90,039	-	-	25,380	26,419	-	-	4,038	4,038	-	-	60	60	77,497	78,649	-	-	-	-	205,265	199,205	-6060
जम्मू और कश्मीर	48,661	55,562	-	-	148,804	152,433	-	-	-	-	-	-	30	30	264,832	269,000	-	-	-	-	462,327	477,025	14698
कर्नाटक	662,961	652,873	-	-	1,308,148	1,324,574	11,349	11,163	2,624,398	2,610,352	-	-	196,294	194,649	1,115,757	1,130,422	-	-	-	-	5,918,907	5,924,033	5126
केरल	1,198,574	1,197,832	-	-	142,702	145,700	2,192	2,161	94,765	94,077	-	-	6,517	6,497	400,463	403,543	-	-	-	-	1,845,213	1,849,810	4597
कोलकता	227,382	227,293	-	-	222,732	224,441	2,396	2,394	372,637	371,226	-	-	12,365	12,345	625,906	637,188	-	-	-	-	1,463,418	1,474,887	11469
मध्य प्रदेश	305,617	305,551	-	-	615,230	623,136	5	5	102,867	106,713	-	-	55,822	49,837	1,068,019	1,097,195	-	-	-	-	2,147,560	2,182,437	34877
महाराष्ट्र	633,866	629,630	-	-	615,982	628,994	6,217	6,245	1,047,637	1,040,113	-	-	18,648	19,613	358,635	349,116	-	-	-	-	2,680,985	2,673,711	-7274
मुंबई	2,162	2,462	808,487	791,923	634,717	639,803	30,038	29,576	2,651,560	2,665,232	-	-	184,898	186,031	1,031,751	1,036,016	-	-	-	-	5,343,613	5,351,043	7430
उत्तर-पूर्व	60,091	60,038	-	-	180	180	-	-	-	-	-	-	450	450	236,473	239,373	-	-	-	-	297,194	300,041	2847
ओड़ीशा	157,597	157,645	-	-	98,886	103,220	4	4	99,286	105,996	-	-	3,179	3,220	351,611	358,351	-	-	-	-	710,563	728,436	17873
पंजाब	563,328	561,841	-	-	422,636	432,109	1,498	1,499	60,452	60,274	334,953	329,421	1,060	1,130	449,231	455,505	58,115	58,255	-	-	1,891,273	1,900,034	8761
राजस्थान	296,170	292,710	-	-	358,002	365,344	2,955	2,973	84,742	83,695	-	-	9,915	10,205	565,989	577,442	-	-	-	-	1,317,773	1,332,369	14596
तमिलनाडु	971,918	969,400	-	-	1,078,477	1,094,523	9,010	9,107	788,141	789,054	-	-	28,225	28,445	1,019,415	1,028,087	-	-	-	-	3,895,186	3,918,616	23430
उत्तर प्रदेश (पूर्व)	141,493	141,989	-	-	355,547	366,541	39	50	52,068	51,609	-	-	16,172	16,182	733,041	744,576	-	-	-	-	1,298,360	1,320,947	22587
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	214,574	213,690	-	-	243,041	258,243	7	7	25,564	25,854	-	-	3,177	3,202	834,130	847,229	-	-	-	-	1,320,493	1,348,225	27732
पश्चिम बंगाल	173,656	173,908	-	-	91,940	95,652	21	21	7,316	7,316	-	-	150	150	357,801	365,009	-	-	-	-	630,884	642,056	11172
कुल	**7,514,716**	**7,487,138**	**1,513,859**	**1,482,434**	**10,765,537**	**10,955,165**	**94,699**	**93,917**	**11,030,162**	**11,033,524**	**334,953**	**329,421**	**828,237**	**815,193**	**14,546,896**	**14,751,929**	**58,115**	**58,255**	**363,018**	**361,215**	**47,050,192**	**47,368,191**	**317999**
शुद्ध योग		**-27578**		**-31425**		**189628**		**-782**		**3362**		**-5532**		**-13044**		**205033**		**140**		**-1803**		**317999**	
ग्रामीण ग्राहक	**2,203,313**	**2,166,980**	**24**	**24**	**132,167**	**134,885**	**300**	**300**	**1,419,836**	**1,423,972**	**164,530**	**162,395**	**-**	**-**	**966,708**	**973,913**	**-**	**-**	**221,165**	**220,356**	**5,108,043**	**5,082,825**	**-25218**

वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर की संख्या

अनुलग्नक-2

एल एस ए	भारती एयरटेल		रिलायन्स कम्यु		वोडाफोन आइडिया		बीएसएनएल		एमटीएनएल		रिलायन्स जियो		कुल		शुद्ध योग
	नवंबर-25	दिसंबर-25	नवंबर-25	दिसंबर-25	नवंबर-25	दिसंबर-25	नवंबर-25	दिसंबर-25	नवंबर-25	दिसंबर-25	नवंबर-25	दिसंबर-25	नवंबर-25	दिसंबर-25	
आन्ध्र प्रदेश	3,73,68,067	3,76,93,735	-	-	90,31,100	89,13,709	74,40,211	74,20,443			3,18,85,087	3,18,94,993	**8,57,24,465**	**8,59,22,880**	1,98,415
असम	1,35,34,760	1,39,61,808			14,53,097	14,51,538	29,55,717	29,51,850			98,39,724	98,69,520	**2,77,83,298**	**2,82,34,716**	4,51,418
बिहार	4,66,32,799	4,74,10,246	-	-	75,74,000	74,32,810	56,54,203	56,31,850			4,37,21,379	4,40,28,753	**10,35,82,381**	**10,45,03,659**	9,21,278
दिल्ली	3,74,97,984	3,77,27,940	2	2	1,64,98,393	1,65,58,799			1,37,855	1,37,054	2,03,62,063	2,04,21,442	**7,44,96,297**	**7,48,45,237**	3,48,940
गुजरात	1,49,65,437	1,51,57,524	1	1	1,91,54,917	1,93,30,749	33,10,283	32,97,834			3,19,39,314	3,21,46,030	**6,93,69,952**	**6,99,32,138**	5,62,186
हरियाणा	76,97,688	77,38,016	-	-	61,88,042	61,88,086	44,53,936	44,15,510			81,50,243	81,71,541	**2,64,89,909**	**2,65,13,153**	23,244
हिमाचल प्रदेश	36,13,545	36,20,122	-	-	3,83,831	3,84,325	17,71,470	17,66,046			33,63,770	34,24,016	**91,32,616**	**91,94,509**	61,893
जम्मू और कश्मीर	65,18,075	65,46,994	-	-	2,50,037	2,56,631	8,63,999	8,55,338			52,34,264	53,11,720	**1,28,66,375**	**1,29,70,683**	1,04,308
कर्नाटक	4,24,59,160	4,30,77,802	376	180	73,83,080	73,56,797	46,93,660	46,91,369			2,60,76,494	2,61,38,895	**8,06,12,770**	**8,12,65,043**	6,52,273
केरल	94,25,094	94,90,134	3	3	1,27,44,559	1,27,38,397	89,58,276	89,43,038			1,09,80,116	1,10,27,624	**4,21,08,048**	**4,21,99,196**	91,148
कोलकता	59,78,735	60,15,362	-	-	46,81,821	46,29,637	14,25,482	14,21,646			1,08,86,695	1,09,07,840	**2,29,72,733**	**2,29,74,485**	1,752
मध्य प्रदेश	1,77,71,378	1,79,58,418	-	-	1,28,80,011	1,27,43,628	51,41,998	51,18,695			4,78,42,472	4,83,77,631	**8,36,35,859**	**8,41,98,372**	5,62,513
महाराष्ट्र	3,00,02,628	3,04,70,911	-	-	2,05,65,441	2,05,61,987	53,38,162	53,09,578			4,32,57,600	4,37,53,436	**9,91,63,831**	**10,00,95,912**	9,32,081
मुंबई	1,53,57,972	1,55,15,681	80	54	1,07,68,783	1,07,72,169			98,027	96,241	1,33,10,110	1,33,06,070	**3,95,34,972**	**3,96,90,215**	1,55,243
उत्तर-पूर्व	65,59,955	66,14,464	-	-	6,09,261	6,04,704	12,94,812	12,93,623			44,24,098	45,07,283	**1,28,88,126**	**1,30,20,074**	1,31,948
ओड़ीशा	1,29,66,363	1,29,99,819	-	-	14,90,368	14,89,987	55,32,821	55,18,354			1,70,93,395	1,72,54,138	**3,70,82,947**	**3,72,62,298**	1,79,351
पंजाब	1,37,91,710	1,38,61,756	6	5	56,62,904	56,32,742	40,91,509	40,91,509			1,15,00,972	1,15,22,666	**3,50,47,101**	**3,51,08,678**	61,577
राजस्थान	2,45,73,899	2,51,46,992	51	46	84,86,300	84,30,864	57,39,076	57,26,617			2,70,79,384	2,72,20,012	**6,58,78,710**	**6,65,24,531**	6,45,821
ḏ	3,23,22,490	3,25,37,397	-	-	1,42,93,839	1,42,52,019	79,75,145	80,15,763			2,47,12,402	2,47,46,958	**7,93,03,876**	**7,95,52,137**	2,48,261
उत्तर प्रदेश (पूर्व)	3,91,20,178	3,97,06,971	-	-	1,57,29,073	1,56,97,417	84,49,052	84,34,932			4,36,62,554	4,41,36,781	**10,69,60,857**	**10,79,76,101**	10,15,244
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	2,11,18,508	2,14,35,119	-	-	1,31,19,911	1,27,94,824	52,22,783	52,10,728			2,52,92,780	2,52,91,625	**6,47,53,982**	**6,47,32,296**	(21,686)
पश्चिम बंगाल	1,86,79,650	1,86,97,178	4	4	1,07,63,269	1,05,49,487	26,50,918	26,41,993			2,54,74,732	2,55,91,262	**5,75,68,573**	**5,74,79,924**	(88,649)
कुल	**45,79,56,075**	**46,33,84,389**	**523**	**295**	**19,97,12,037**	**19,87,71,306**	**9,29,63,513**	**9,27,56,716**	**2,35,882**	**2,33,295**	**48,60,89,648**	**48,90,50,236**	**1,23,69,57,678**	**1,24,41,96,237**	**72,38,559**
शुद्ध योग		**54,28,314**		**-228**		**-940731**		**-206797**		**-2587**		**29,60,588**		**72,38,559**	
ग्रामीण ग्राहक	19,41,80,221	19,40,83,284	-	-	9,38,28,848	9,28,90,571	3,08,43,346	3,07,63,304	2,881	2,864	21,32,00,816	21,44,30,918	**53,20,56,112**	**53,21,70,941**	**114829**

अनुलग्नक-3

दिसंबर 2025 के माह के दौरान अधिकतम वीएलआर की तिथि को वीएलआर का एच एल आर के साथ अनुपात (प्रतिशत में)

एल एस ए	भारती एयरटेल	बीएसएनएल	वोडाफोन आइडिया	एमटीएनएल	रिलायन्स कम्यु	रिलायन्स जियो	कुल (सभी सेवा प्रदाताओं के लिए एक साथ)
आन्ध्र प्रदेश	98.49	62.96	95.05		-	90.10	**91.95**
असम	99.71	23.81	89.84		-	98.05	**90.69**
बिहार	88.91	35.04	85.62		-	97.69	**89.47**
दिल्ली	96.79		52.44	193.19	100.00	97.89	**87.45**
गुजरात	114.90	47.59	91.77		0.00	102.58	**99.67**
हरियाणा	103.82	23.70	92.77		-	105.45	**88.40**
हिमाचल प्रदेश	96.51	49.43	101.31		-	99.27	**88.69**
जम्मू और कश्मीर	85.13	58.32	81.87		-	79.20	**80.87**
कर्नाटक	97.88	68.05	69.55		208.89	94.38	**92.47**
केरल	105.62	115.31	94.26		-	94.91	**101.45**
कोलकता	101.21	98.09	86.52		-	100.25	**97.60**
मध्य प्रदेश	98.18	43.43	86.85		-	96.27	**92.04**
महाराष्ट्र	108.23	91.16	94.08		-	110.04	**105.21**
मुंबई	100.37		70.45	72.87	148.15	87.84	**87.98**
उत्तर-पूर्व	101.27	46.33	95.96		-	104.01	**96.51**
ओड़ीशा	101.35	46.07	88.23		-	94.89	**89.65**
पंजाब	110.41	38.40	92.83		120.00	103.75	**97.01**
राजस्थान	99.34	39.77	93.24		110.87	101.85	**94.47**
तमिलनाडु	96.85	87.19	79.64		-	98.24	**93.22**
उत्तर प्रदेश (पूर्व)	98.15	33.34	89.28		-	98.56	**91.96**
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	102.19	36.87	91.73		-	97.30	**92.95**
पश्चिम बंगाल	92.75	75.70	89.36		100.00	94.76	**92.24**
कुल	**98.96**	**58.23**	**85.30**	**143.55**	**177.29**	**98.25**	**93.47**

नोट : इनरोमर्स की बड़ी संख्या के कारण कुछ सेवा प्रदाताओं के कुछ सेवा क्षेत्रों में अधिकतम वीएलआर आंकड़े, एचएलआर आकड़ों से अधिक हो सकते हैं।

अनुलग्नक-4

वायरलेस क्षेत्र में वीएलआर सब्सक्राइबर

होम लोकेशन रजिस्टर (एचएलआर) एक केन्द्रीयकृत डाटाबेस है जिसमें प्रत्येक मोबाइल फोन सब्सक्राइबर की संख्या का ब्योरा अंतर्विष्ट होता है जो कि जीएसएम मुख्य नेटवर्क उपयोग करने के लिए प्राधिकृत है। एचएलआर में सेवा प्रदाता द्वारा जारी प्रत्येक सिम कार्ड का ब्यौरा रखा जाता है। प्रत्येक सिम की एक विशिष्ट पहचान होती है जिसे अंतर्राष्ट्रीय मोबाइल पहचान (आईएमएसआई) कहते हैं, जोकि प्रत्येक एचएलआर रिकार्ड की प्राथमिक कुंजी होता है। एचएलआर डाटा को तब तक सुरक्षित रखा जाता है जब तक सब्सक्राइबर, सेवा प्रदाता के साथ जुड़ा रहता है। एचएलआर प्रशासनिक क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की स्थिति को अद्यतन कर सब्सक्राइबर के अंतरण का भी प्रबंधन करता है। यह विजिटर अवस्थिति रजिस्टर (वीएलआर) सब्सक्राइबर का डाटा भेजता है।

सब्सक्राइबर की संख्या के बारे में सेवा प्रदाता द्वारा दी गई संख्या, सेवा प्रदाता के एचएलआर में पंजीकृत आईएमएसआई की संख्या तथा नीचे दिए गए अन्य आंकड़ों का जोड़ हैः –

1.	**एचएलआर में कुल आईएमएसआई (ए)**
2.	घटाः (**बी**=क+ख+ग+घ+ङ)
क.	जांच/सेवा कार्ड
ख.	कर्मचारी
ग.	हस्तगत स्टाक/संवितरण चेनल (एक्टिव कार्ड)
घ.	सब्सक्राइबर को बनाए रखने की अवधि की समाप्ति
ङ	कनेक्शन को बंद किए जाने के दौरान सेवा समाप्ति
3.	**सब्सक्राइबर की संख्या (ए - बी)**

विजिटर लोकेशन रजिस्टर (वीएलआर) सब्सक्राइबर का एक अस्थायी डाटाबेस होता है जिन्होंने किसी सेवा प्रदाता के सेवा क्षेत्र के विशिष्ट क्षेत्र में दौरा (रोम-इन) किया है। नेटवर्क में प्रत्येक

बेस स्टेशन को केवल एक वीएलआर द्वारा सेवा प्रदान की जाती है। इसलिए, कोई सब्सक्राइबर एक समय में एक से अधिक वीएलआर में मौजूद नहीं रह सकता है।

यदि सब्सक्राइबर सक्रिय अवस्था में है अर्थात् वह काल करने/प्राप्त करने/एसएमएस भेजने/प्राप्त करने में सक्षम है, तो वह एचएलआर तथा वीएलआर में उपलब्ध है। तथापि, यह संभव है कि सब्सक्राइबर ने फोन बंद कर रखा हो अथवा वह कवरेज क्षेत्र से बाहर चला गया हो, पहुंच क्षेत्र से बाहर हो तथा इस कारण वह एचएलआर में पंजीकृत हो तथा वीएलआर में पंजीकृत नहीं हो। ऐसी परिस्थितियों में वह एचएलआर में उपस्थित होगा वीएलआर में नहीं। इससे सेवा प्रदाताओं द्वारा संसूचित सब्सक्राइबर की संख्या तथा वीएलआर में उपलब्ध संख्या के बीच अंतर आ जाता है।

यहां परिकलित वीएलआर डाटा, जिस विशिष्ट माह के लिए आंकड़ों को संग्रहित किया जा रहा है, उसके लिए अधिकतम वीएलआर की तिथि पर वीएलआर में सक्रिय सब्सक्राइबर के आधार पर परिकलित किया जाता है। यह डाटा ऐसे स्विचों से लिये जाने होते हैं जिनका **72** घंटों से अधिक का 'पर्ज टाइम' (डाटा समाप्ति का समय) न हो।

5G FWA सब्सक्राइबर की संख्या **अनुलग्नक-5**

एल एस ए	भारती एयरटेल		रिलायन्स जियो		कुल	
	नवंबर-25	दिसंबर-25	नवंबर-25	दिसंबर-25	नवंबर-25	दिसंबर-25
आन्ध्र प्रदेश	257,548	283,374	649,908	675,280	907,456	958,654
असम	53,944	62,416	178,168	187,285	232,112	249,701
बिहार	123,880	144,522	621,699	650,469	745,579	794,991
दिल्ली	137,554	149,660	229,289	228,262	366,843	377,922
गुजरात	155,969	172,601	422,040	431,728	578,009	604,329
हरियाणा	74,090	80,353	216,664	222,578	290,754	302,931
हिमाचल प्रदेश	13,104	14,884	72,734	75,076	85,838	89,960
जम्मू और कश्मीर	46,975	54,000	167,716	173,291	214,691	227,291
कर्नाटक	242,390	265,061	393,430	404,253	635,820	669,314
केरल	52,925	58,412	167,426	177,190	220,351	235,602
कोलकता	80,459	86,228	159,893	160,300	240,352	246,528
मध्य प्रदेश	119,531	135,682	518,163	539,118	637,694	674,800
महाराष्ट्र	238,637	263,445	590,209	605,285	828,846	868,730
मुंबई	92,678	99,997	102,937	105,315	195,615	205,312
उत्तर-पूर्व	29,534	33,584	82,420	85,273	111,954	118,857
ओड़ीशा	62,951	69,910	273,291	287,887	336,242	357,797
पंजाब	128,737	143,221	466,746	480,085	595,483	623,306
राजस्थान	163,034	180,671	432,040	449,508	595,074	630,179
तमिलनाडु	336,051	371,118	355,938	369,097	691,989	740,215
उत्तर प्रदेश (पूर्व)	157,801	179,662	638,577	663,985	796,378	843,647
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	124,512	139,478	494,597	512,846	619,109	652,324
पश्चिम बंगाल	73,579	83,537	412,257	437,777	485,836	521,314
कुल	**2,765,883**	**3,071,816**	**7,646,142**	**7,921,888**	**10,412,025**	**10,993,704**
शुद्ध योग		305,933		275,746		581,679
मासिक वृद्धि%		11.06%		3.61%		5.59%

अनुलग्नक-6

यूबीआर एफडब्ल्यूए सब्सक्राइबर बेस

सेवा प्रदाता →	**रिलायंस जियो ***	
↓एल एस ए	**नवंबर-25**	**दिसंबर-25**
आंध्र प्रदेश	253,677	288,198
असम	26,064	29,231
बिहार	214,052	241,585
दिल्ली	218,156	246,562
गुजरात	221,105	246,568
हरियाणा	145,809	161,976
हिमाचल प्रदेश	8,012	9,280
जम्मू और कश्मीर	61,571	68,781
कर्नाटक	191,937	217,951
केरल	8,290	8,914
कोलकाता	136,949	156,494
मध्य प्रदेश	183,781	208,332
महाराष्ट्र	263,210	296,166
मुंबई	47,006	51,717
उत्तर पूर्व	11,158	12,357
ओडिशा	41,164	46,465
पंजाब	192,084	212,875
राजस्थान	227,735	254,119
तमिलनाडु	138,298	153,714
उत्तर प्रदेश (पूर्व)	221,955	247,390
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	277,550	311,756
पश्चिम बंगाल	97,700	108,975
कुल	**3,187,263**	**3,579,406**
नेट एडिशन		**392,143**
मासिक वृद्धि %		**12.30%**

* केवल रिलायंस जियो ने एफडब्ल्यूए-यूबीआर सब्सक्राइबर बेस की सूचना दी है।